सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 272 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 10 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

सहिष्णुता के अभ्यास में आपका शत्रु ही आपका सबसे अच्छा शिक्षक होता है।
–दलाई लामा

ध्रुव जुरेल का कोलकाता टेस्ट में... 7 | राष्ट्रगीत पर सियासी घमासान... 3 | एसआईआर के सहारे गड़बड़ी... 2

सांस बनाम सियासत धुंध बनी आफत

दिल्ली में व्यापार सेहत सबकुछ धुआं-धुआ

- दिल्ली व्यापार की स्थिति कोविड काल में पहुंची
- प्रतिदिन 100 करोड़ का नुकसान पीएम को लिखी चिट्ठी
- दिल्ली मांगे प्रदूषण से निजात
- नहीं कम हो रहा प्रदूषण लोग परेशान
- बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा है वायु प्रदूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच चुकी है। सड़कों पर धुंध इतनी घनी है कि सवेरे 9 बजे तक सूरज शर्माता सा दिखाई देता है बच्चों के स्कूल बंद हैं अस्पतालों की इमरजेंसी में दम घुटते मरीजों की लंबी कतारें हैं। यही नहीं अब यह जहर सिर्फ फेफड़ों में नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था की नसों में भी घुल चुका है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री का ताजा आंकड़ा बताता है कि प्रदूषण की वजह से दिल्ली के व्यापार को हर दिन 100 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

यह आंकड़ा दिल्ली के लिए उतना ही भयानक है जितना कोविड के लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में था। होटल, रेस्तरां, रिटेल, और ट्रांसपोर्ट सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हैं। कैब ड्राइवरों की आय आधी हो गयी है। शादी–ब्याह का सीजन होते हुए भी बुकिंग कैंसिल हो रही हैं। लोग दिल्ली छोड़कर गुरुग्राम, नोएडा, यहां तक कि जयपुर तक शिफ्ट होने की सोच रहे हैं। दिल्ली के ताजा हालात को दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रूडस का सोशल मीडिया पर दिया गया बयान ही काफी है जिसमें उन्होंने कहा है कि शुक्र है वह दिल्ली में नहीं रह रहे हैं। इंटरनेशनल मीडिया भी अब दिल्ली को गैस चेंबर कहने लगी है।

साफ हवा में सांस लेना मानवाअधिकार : राहुल

दिल्ली में गिरते तापमान के साथ सांसों का संकट भी बढ़ता जा रहा है। बीते दिन इसे लेकर कई लोगों ने इंडिया गेट पर मार्च निकाला। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी अब दमघोंटू हवा को लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि साफ हवा में सांस लेना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। ऐसे में आम नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए राहुल गांधी ने सत्ताधारी बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए प्रदूषण पर सख्त कदम उठाने की मांग की है, जिससे लाखों भारतीयों का भविष्य और स्वास्थ्य खतरे में है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, साफ हवा में सांस लेना मानवाधिकार है। संविधान भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देता है। जो नागरिक साफ हवा की मांग कर रहे थे, उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों हो रहा है? वायु प्रदूषण का करोड़ों भारतीयों पर बुरा असर पड़ रहा है। इससे बच्चों को नुकसान पहुंच रहा है और हमारे देश का भविष्य भी खतरे में है।

दिल्ली व्यापार को 100 करोड़ प्रतिदिन का नुकसान

व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा है कि प्रदूषण के कारण दिल्ली के व्यापार को रोजाना लगभग 100 करोड़ रुपये का नुक़सान हो रहा है। उनके मुताबिक अब शादी का सीजन अपने चरम पर है? मार्केट में फुटफॉल अच्छा होता है दिल्ली में दूसरे शहरों से भी ग्राहक आते हैं। लेकिन अब प्रदूषण की वजह से लोग आना नहीं चाहते हैं। बहुत से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। श्वास संबंधी खरीददार तो बिल्कुल घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। बृजेश गोयल ने बताया कि रोजाना एनसीआर से तीन से चार लाख लोग खरीददारी के लिए दिल्ली आते थे प्रदूषण के कारण इनकी संख्या घटकर एक लाख रह गई है।

दिल्ली के फेफड़े तेजी से बूढ़े हो रहे हैं

डब्यूएचओ की 2024 रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली अब भी दुनिया के सबसे प्रदूषित दस शहरों में शामिल है। जहां एक व्यक्ति रोजाना औसतन 20 सिगरेट के बराबर धुआं सांस में भरता है। एम्स के डाटा के मुताबिक पिछले दो वर्षों में अस्थमा और ब्रॉन्काइटिस के मामले 35 फीसदी तक बढ़े हैं। 5 साल से कम उम्र के 40 फीसदी बच्चे सांस के रोगों से प्रभावित हैं। दिल्ली के फेफड़े अब बूढ़े हो चुके हैं, लेकिन सत्ता का अहंकार अभी जवान है।

मौजूदा कोशिशें अस्थाई ईलाज

दिल्ली सरकार का दावा है कि उसने ग्रीन वार रूम और आड ईवन जैसे प्रयोग किए। लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक यह कदम संकट का अस्थायी इलाज हैं। 22 करोड़ का स्मॉग टॉवर बंद पड़ा है जिसकी प्रभाव सीमा महज 300 मीटर थी। दूसरी ओर केंद्र सरकार जीआरएपी ग्रांडेड रिसापांस एक्शन प्लान का हवाला देती है लेकिन सड़क पर उड़ती धूल और कूड़े के ढेर उस एक्शन प्लान पर सवाल उठाते हैं।

क्या लोग प्रदर्शन भी नहीं कर सकते

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा है कि लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है कि इसे अब मामूली नहीं कहा जा सकता यह खतरनाक है। मुझे खुद इतनी तेज खांसी और जुकाम हुआ कि मुझे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। मैं सोचती हूं कि इसका बच्चों और बुजुर्गों पर क्या असर हो रहा है। हमें एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में बना हुआ है। हम लोग इसके विरोध में रविवार को शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद पुलिस ने महिलाओं को डिटेन किया। दिल्ली पुलिस क्या संदेश देना चाहती है? क्या हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन भी नहीं कर सकते हैं?

जोंटी रोड्स परेशान

दिल्ली की आबोहवा से साउथ अफीका के पूर्व क्रि केटर जोंटी रोड्स भी परेशान हो गए हैं। साउथ गोवा में परिवार के साथ रह रहे इस क्रिकेटर ने गोवा की वायु गुणवत्ता की सराहना की है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि गोवा में वातावरण और हवा की गुणवत्ता इतनी बेहतर है कि उनके बच्चे समुद्र किनारे फुटबॉल का आनंद उठा रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज

विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया है कि स्मॉग टावर सिर्फ पोस्टर बने हैं हवा साफ करने का कोई ठोस इंतजाम नहीं हुआ। बीजेपी इसे राजनीतिक प्रदूषण बता कर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। तो आम आदमी पार्टी केंद्र पर आरोप लगा रही है कि पंजाब के पराली से ज्यादा जहर दिल्ली के डीजल और धूल में है और सरकार के प्रयास नाकाफी है। उन्हों दिल्ली की स्थिति पर रेखा सरकार से जवाब मांगा है। दिल्ली की हवा में सिर्फ धुआं नहीं अब एक डर तैर रहा है। राकेश कुमार जो चांदनी चौक में कपड़े की दुकान चलाते हैं सुबह दुकान खोलने से पहले अब दो मास्क पहनते हैं। आंखें जलती हैं गला सूख जाता है और सबसे बड़ी तकलीफ यह है कि ग्राहक भी कम आते हैं। दूसरी तरफ कमलेश, जो बवाना में छोटी फैक्ट्री चलाते हैं के मुताबिक हर दिन मजदूर बीमार पड़ रहे हैं ऑर्डर अटक रहे हैं और बिजली बिल तो मानो धुएं से भी तेज बढ़ रहा है।

एसआईआर के सहारे गड़बड़ी करवाना चाहती है बीजेपी : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- आधार सभी जगह मान्य चुनाव में क्यों नहीं, आधार मेटलकार्ड में दिया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर फिर सवाल खड़े किए हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि चुनाव में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी न हो, इस पर ध्यान देना है। वोटर लिस्ट ऐसी हो, जिसमें मतदाता की फोटो पहचानी जा सके। आधार कार्ड नकली न बने ऐसा प्रयास हो। बैंक अकाउंट, रजिस्ट्री व पासपोर्ट, सभी जगह आधार का इस्तेमाल होता है, फिर उसे चुनाव आयोग एसआईआर में मान्यता क्यों नहीं देता। अच्छा हो वे मेटल (धातु) का आधार बना लें। सभी को आधार मेटलकार्ड में दिया जाए।

अखिलेश यादव ओडिशा में उपचुनाव प्रचार के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है। इन वर्षों में घुसपैठिए आए हैं तो इसकी जिम्मेदार भाजपा की ही है। उन्हें ही इसका जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों से ज्यादा घूस पर ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि आपने अभी बिहार में वीवी पैट की पर्चियां खुली पड़ी देखी होंगी। जब लोग यह देखेंगे तो उनके मन में आशंका होगी कि चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कैसे कराएगा।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तर प्रदेश अपना चुनाव परिणाम पिछले लोकसभा चुनाव में दिखा चुका है। साथ ही कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

अगड़ों से बराबरी चाहते हैं हम

उन्होंने कहा कि जनरल (सामान्य वर्ग) या मध्यवर्ग जो पहले से आगे है, उनसे हमारी कोई नाराजगी नहीं। यह जरूर चाहते हैं कि जो आगे हैं, उनके थोड़ा बराबर तो हम भी रहें। हम आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे। हम यहां ओडिशा में पीडीए का बीज बोने आए हैं।

जो भी भाजपा के करीब गया, वह बर्बाद हो गया

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ओडिशा में नौपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रमाकांत हाती के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक जी के बीच गहरे संबंधों को याद करते हुए कहा कि आज ऐसे संबंधों की कल्पना नहीं की जा सकती है। वह राजनीति का दूसरा दौर था। आज तो जो भी भाजपा के करीब गया, वह बर्बाद हो गया। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए दलित, पिछड़े, आदिवासी भाइयों से निवेदन करने आया हूं कि इस उप चुनाव में सपा प्रत्याशी की मदद करें और भाजपा से सावधान रहें।

जया बच्चन ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री जया बच्चन ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के अलावा कुछ वेबसाइटों और प्लेटफार्मों को उनके नाम और छवि वाली सामग्री सहित अवैध रूप से सामान न बेचने का निर्देश देने की भी मांग की है।

जया बच्चन ने कहा कि उनकी छवि, नाम और आवाज का अनधिकृत रूप किए जा रहे उपयोग पर रोक लगाई जाए। इससे पहले उनके बेटे व अभिनेता अभिषेक बच्चन व अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी ऐसी याचिका दायर की थी और हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए उनके नाम, छवि व आवाज के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगा दी थी।

दिल्ली नगर निगम के उपचुनाव के लिए बिसात बिछी

» भाजपा, आप कांग्रेस ने किया उम्मीदवारों का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के उपचुनाव के लिए बिसात बिछने लगी है। बता दें 12 सीटों पर 30 नवंबर को उपचुनाव होने जा रहे हैं, जिसके लिए तीनों प्रमुख दलों- बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

पहले आप, फिर बीजेपी और अब कांग्रेस की कैंडिडेट लिस्ट सामने आ गई है।कांग्रेस की उम्मीदवार सूची- मुंडका से मुकेश, शालीमार बाग बी. से सरिता कुमारी, अशोक विहार से विशाखा रानी, चांदनी चौक से अजय कुमार जैन चांदनी महल वार्ड से कुंवर शहजाद अहमद द्वारका बी. से सुमिता मलिक, दिचाऊ कलां से रश्मी शर्मा, नारायणा से मनोज तंवर, संगम विहार ए. से सुरेश चौधरी, दक्षिण पुरी से विक्रम, ग्रेटर कैलाश से शिखा कपूर विनोद नगर से विनय शंकर दुबे को उम्मीदवार बनाया है। मालूम हो, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग बी. वार्ड का प्रतिनिधित्व करती थीं, जिसे उन्होंने इस साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद छोड़ दिया था. वहीं, बीजेपी की कमलजीत सहरावत ने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद द्वारका बी. वार्ड छोड़ दिया था. इन सीटों पर मुख्य रूप से सबकी निगाहें टिकी हैं। क्या ये सीटें वापस बीजेपी के पास आएंगी या फिर कांग्रेस या आप इनपर कब्जा करने में सफल होंगी?

आप की उम्मीदवार सूची

दक्षिणपुरी- राम स्वरूप कनौजिया संगम विहार- अनुज शर्मा ग्रेटर कैलाश- ईशना गुप्ता,विनोद नगर-गीता रावत, शालीमार बाग क्र बबीता अहलावत, अशोक विहार-सीमा विकास गोयल, चांदनी चौक-हर्ष शर्मा, चांदनी महल- मुद्दसिर उस्मान कुरैशीद्वारका क्रराजबाला सहरावत, मुंडका-अनिल लाकड़ा नारायणा- राजन अरोड़ा, दिचौन कलां- केशव चौहान बीजेपी की उम्मीदवार सूची- मुण्डका- जयपाल सिंह दशल (चीनी प्रधान),शालीमार बाग-बी- अनीता जैन अशोक विहार- वीना असीजा,चांदनी चौक- सुमन कुमार गुप्ता,चांदनी महल- सुनील शर्मा, द्वारका-बी- मनीषा राजपाल सहरावत,दिचाऊ कलां- रेखा रानी,नारायणा- चन्द्रकान्ता शिवानी, दक्षिणपुरी- रोहिणी राज, संगम विहार-ए- शुभ्रजीत गौतम ग्रेटर कैलाश- अंजुम मंडल, विनोद नगर- सरला चौधरी। जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली के 12 वार्डों में एमसीडी उपचुनाव के लिए 30 नवंबर को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक वोट डाले जाएंगे. वहीं, वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी।

राहुल गांधी ने दी नई ऊर्जा : पटवारी

» कांग्रेस नेता ने जिलाध्यक्षों को पढ़ाया संघर्ष और एकजुटता का पाठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । भोपाल से दिल्ली रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने पचमढ़ी में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों के साथ विशेष सत्र किया। बैठक समाप्त होने के बाद राहुल गांधी जब भोपाल होते हुए दिल्ली के लिए रवाना हुए, तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी संगठन को मजबूती देने का स्पष्ट रोडमैप देकर लौटे हैं।

उन्होंने हर जिला अध्यक्ष को जमीन पर उतरकर जनता के साथ जुड़ने का मंत्र दिया है।सत्र की खास बात यह रही कि राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों के साथ मार्शल आर्ट की पोशाक पहनकर फिटनेस और फोकस पर आधारित 30 मिनट का अभ्यास कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजनीति भी मार्शल आर्ट की तरह है। गिरोगे, लेकिन फिर उठकर लड़ना ही जीत की कुंजी है। भाजपा की वचारधारा से मुकाबला मोहब्बत और धैर्य से करना है। राहुल ने समझाया कि नकारात्मकता का जवाब सकारात्मकता से देना है और मोहब्बत की दुकान का संदेश संगठन के हर स्तर पर पहुंचना चाहिए।

बसपा एकबार फिर अपने पुराने कार्यकर्ताओं पर जताएगी भरोसा

» बसपा के पूर्व नेशनल को-आर्डिनेटर जयप्रकाश सिंह की पार्टी में वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा एकबार फिर अपने पुराने कार्यकर्ताओं को अपने साथ जोड़कर पार्टी को पुराने तेवर में लाने की कोशिश में जुट गई है। पूर्व नेशनल को-आर्डिनेटर जयप्रकाश सिंह की फिर से पार्टी में वापसी हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कल दिल्ली में जयप्रकाश से मिलने के बाद फैसला अब उनको पश्चिम बंगाल और उडीसा राज्य की जिम्मेदारी दी गई।

दरअसल, मायावती ने अपने फैसलों को पलटते हुए पहले भतीजे आकाश आनंद और फिर समधी अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी कराई है। माना जा रहा है कि आकाश का बसपा में कद बढ़ने के बाद उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इतिहास पर नजर डालें तो मायावती पहले भी तमाम नेताओं को इसी तरह माफ करती रही हैं। कुछ दिन पहले नगीना के सांसद गिरीश चंद्र को भी पार्टी में वापस लिया गया था। वहीं अफजाल अंसारी, इंद्रजीत सरोज समेत तमाम नेताओं का बसपा में आना-जाना लगा रहा। हाल ही में बसपा सुप्रीमो ने पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मवीर अशोक और पूर्व एमएलसी एमएल तोमर को भी पार्टी में वापस लेने का फैसला लिया है, जो दर्शाता है कि निष्कासित नेताओं के लिए पार्टी के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं किए जाते हैं। हालांकि बीते एक दशक पर नजर डालें तो पार्टी के तमाम कद्दावर नेताओं ने बसपा का साथ छोड़ने के बाद वापसी नहीं की। इनमें से तमाम दूसरे दलों में जाने के बाद बड़े पदों पर आसीन हैं तो कई राजनीति में अब सक्रिय नहीं हैं।

परिवारवाद से नुकसान

बता दें कि बीते कुछ साल में बसपा को परिवारवाद की वजह से खासा नुकसान सहना पड़ा है। अशोक सिद्धार्थ को गुटबाजी करने के आरोप में हटाया गया था। इससे मायावती के भाई आनंद कुमार को लेकर भी कई बार असमंजस की स्थिति रही, जिससे उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया जाता रहा। आकाश और अशोक को हटाने के दौरान मायावती ने कहा था कि आनंद ने मुझसे कहा है कि वह पार्टी हित में अपने बच्चों का रिश्ता गैर राजनीतिक परिवार से ही जोड़ेंगे। अशोक की तरह अब आगे पार्टी को कोई नुकसान न हो, इसका भरोसा आनंद ने दिलाया है। अशोक का दबाव बेटी पर है। बेटी का दबाव आकाश पर है। आकाश के दबाव में आने से पार्टी को नुकसान हो सकता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बीजेपी नेता जानबूझकर झूठ फैला रहे हैं : उमर अब्दुल्ला

» सीएम ने नकारा बीजेपी से गठबंधन का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नगरोटा विधानसभा सीटों पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। बीजेपी नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष सुनील शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर बड़ा आरोप लगाया है कि उन्होंने 2024 में बीजेपी के साथ गठबंधन का प्रयास किया था।

सुनील शर्मा ने दावा किया कि उमर अब्दुल्ला 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाने के लिए बीजेपी के नेताओं से दिल्ली में मुलाकात कर चुके थे। उधर उमर ने कहा कि बीजेपी नेता जानबूझकर झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हमेशा बीजेपी की नीतियों का विरोध किया है।

उन्होंने यहां तक कहा कि अगर उमर ने ऐसा नहीं किया तो वह किसी मस्जिद या धार्मिक स्थल पर जाकर कसम खाएं कि उन्होंने बीजेपी से गठबंधन की कोशिश नहीं की थी. शर्मा के इस बयान के बाद पूरे राजनीतिक माहौल में हलचल मच गई।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सुनील शर्मा के आरोपों का जवाब बेहद सख्ती से दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं कुरान की कसम खाता हूं कि मैंने 2024 में राज्य का दर्जा पाने या किसी भी राजनीतिक कारण से बीजेपी के साथ किसी तरह का गठबंधन करने की कोशिश नहीं की।

उपचुनाव को लेकर तनाव

बता दें कि बडगाम सीट पर उपचुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि उमर अब्दुल्ला ने 2024 के विधानसभा चुनाव में बडगाम और गंदेरबल, दोनों सीटों से जीत हासिल की थी. बाद में उन्होंने बडगाम सीट छोड़ दी थी. वहीं, नगरोटा सीट बीजेपी विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई। जैसे-जैसे 11 नवंबर को मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सियासी बयानबाजी तेज होती जा रही है. दोनों दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर माहौल को और गरमा रहे हैं।

राष्ट्रगीत पर सियासी घमासान देश में मच गया महासंग्राम

वंदे मातरम का 150वां साल, विपक्ष ने पूछा बीजेपी से सवाल

» बीजेपी बोली- राष्ट्रवाद का उत्सव, विपक्ष ने कहा- सांप्रदायिक माहौल बनाने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न देशभर में सियासी संग्राम में बदल गया है, जहां भाजपा इसे राष्ट्रभक्ति का पर्व बताकर राष्ट्रवाद का उत्सव मना रही है। वहीं, कांग्रेस और अन्य दल इस पर राजनीति करने और सांप्रदायिक माहौल बनाने का आरोप लगा रहे हैं। जिससे धार्मिक सिद्धांतों और ऐतिहासिक संदर्भों को लेकर देशव्यापी विवाद गहरा गया है।

देश इस समय वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, लेकिन इसके साथ ही यह ऐतिहासिक गीत एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गया है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे राष्ट्रभक्ति का पर्व बता रही है, वहीं कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के साथ कई राज्यों में इसको लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में वंदे मातरम के पूरे संस्करण का सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह आयोजन देशभर के 150 ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ा है और 26 नवंबर, यानी संविधान दिवस तक चलेगा। भाजपा ने इसे राष्ट्रवाद का बताया है।

राजस्थान में भी मामला गरमाया

राजस्थान में भी मामला गरमाया हुआ है। राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मदरसों में वंदे मातरम गाने का आदेश जारी किया है। कांग्रेस ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा एक निरर्थक विषय को राजनीतिक रंग दे रही है। कांग्रेस का कहना है कि राज्य के स्कूलों में पहले से ही यह परंपरा रही है, इसलिए इसे नया मुद्दा बनाना केवल सांप्रदायिक माहौल को भड़काने की कोशिश है।

हम इसी वतन में पैदा हुए हैं, यहीं दफन होंगे : अबू आजमी

बीजेपी नेताओं द्वारा देशविरोधी कहे जाने पर अबू आजमी ने पलटवार करते हुए कहा कि जब हम पैदा इसी वतन में हुए तो जाहिर सी बात है कि दफन यहीं होंगे तो ये बात कहां से आती है कि हम अपने देश का अपमान कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी और कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि उन्हें राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम से परहेज है। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने कहा था कि जो भी भारत का सच्चा नागरिक है, उसे गर्व से वंदे मातरम कहना चाहिए।

कांग्रेस ने वंदे मातरम के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की थी : केसवन

भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने वंदे मातरम को साम्प्रदायिक रंग देकर इसके मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की थी। उनका कहना है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए जवाहरलाल नेहरू ने इसके कुछ अंश हटवा दिए थे, जिनमें देवी दुर्गा का उल्लेख था। केसवन ने दावा किया कि नेहरू ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लिखे पत्रों में लिखा था कि वंदे मातरम मुसलमानों को उकसा सकता है, इसलिए इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में उपयुक्त नहीं माना गया था। उन्होंने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री मोदी पूरे संस्करण का सामूहिक गायन करने जा रहे हैं, तो यह उस ऐतिहासिक गलती को सुधारने का प्रतीक है। केसवन ने कांग्रेस पर विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सोच नेहरू के समय से लेकर राहुल गांधी के बयानों तक दिखाई देती है।

बंगाल में अलग राज्य गीत बनाने की घोषणा पर विवाद

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य के लिए एक अलग राज्य गीत बनाने की घोषणा के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि वंदे मातरम बंगाल की धरती पर लिखा गया, इसलिए किसी राज्य गीत की जरूरत नहीं है। उनका कहना था कि रवीन्द्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय दोनों बंगाल की ही देन हैं, एक ने राष्ट्रगान लिखा और दूसरे ने राष्ट्रगीत।

सपा नेता आजमी के बयान पर भाजपा भड़की

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी के वंदे मातरम गाने से इनकार करने पर विवाद और बढ़ गया है। आजमी ने कहा कि यह उनके धार्मिक सिद्धांतों के खिलाफ है और अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि राष्ट्रगीत का सम्मान जरूरी है, लेकिन उसे गाना अनिवार्य नहीं है। इस पर भाजपा मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने घोषणा की कि वे आजमी और कुछ कांग्रेस विधायकों के घरों के बाहर सामूहिक गायन का आयोजन करेंगे। इस पर आजमी ने पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक नाटक करने की कोई जरूरत नहीं है।

तेलंगाना में धार्मिक बयान पर घमासान

» नमाज व मंदिर को लेकर कांग्रेस व भाजपा में रार

» सीएम रेवंत व केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार में जुबानी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में एकबार फिर नमाज व मंदिर को लेकर रार मच गई है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की और उन पर और कांग्रेस उम्मीदवार पर वोटों के लिए टोपी पहनने का आरोप लगाया। यह आरोप 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले लगाया गया है, जिसकी मतगणना 14 नवंबर को होनी है। ?

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने हैदराबाद के बोराबंडा में एक चुनावी रैली के दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर वोटों के लिए धार्मिक दिखावा करने का आरोप लगाकर राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। बंदी संजय कुमार ने कहा, अगर ऐसा दिन आए जब मुझे वोटों के लिए टोपी पहननी पड़े, तो मैं अपना सिर कटाने को तैयार हूँ। मैं एक सच्चा हिंदू हूँ – मैं नमाज का नाटक करके दूसरे धर्मों का अपमान नहीं करूँगा। यहाँ तक कि अजहरुद्दीन और एआईएमआईएम जैसे मुस्लिम नेताओं ने भी इसे नहीं पहना। लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस उम्मीदवार ने इसे पहना – सिर्फ वोटों के लिए। क्या मुख्यमंत्री में अजहरुद्दीन से वक्रतुंड महाकाय का जाप करने को कहने का साहस है? या ओवैसी को भाग्यलक्ष्मी मंदिर ले जाकर उनसे अम्मावरु का गीत गवाकर हिंदू वोट हासिल करने का साहस है? सीएम रेवंत रेड्डी को इस सप्ताह के शुरू में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान पैरामाउंट कॉलोनी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते समय टोपी पहने देखा गया था। इससे पहले जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री रेड्डी ने कालेश्वरम घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और फॉर्मूला ई-रेस घोटाले में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव को गिरफ्तार करने की अनुमति नहीं देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाया।

मोदी सरकार आयकर, सीबीआई और ईडी के छापे मारकर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान कर रही : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने सीएम रेवंत रेड्डी कहा, मोदी सरकार आयकर, सीबीआई और ईडी के छापे मारकर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान कर रही थी, और उसी केंद्र सरकार ने घोटालों में शामिल बीआरएस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति नहीं दी। यह उपचुनाव मौजूदा विधायक और बीआरएस नेता मगंती गोपीनाथ के निधन के कारण हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) के नेता वी नवीन यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, बीआरएस ने गोपीनाथ की विधवा सुनीता को इस पद के लिए चुना है। भाजपा ने लंकाला दीपक रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

ओवैसी से मंदिर में आरती करवाएं : संजय

हैदराबाद के जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में एक सभा को संबोधित करते हुए, जहाँ 11 नवंबर को उपचुनाव होना है, बंदी संजय ने हाल ही में कांग्रेस की एक रैली में मुख्यमंत्री द्वारा टोपी पहनने का मजाक उड़ाया। भाजपा नेता ने कहा कि अगर ऐसा दिन आए जब मुझे वोटों के लिए टोपी पहननी पड़े, तो मैं अपना सिर कटाने को तैयार हूँ। मैं एक सच्चा हिंदू हूँ – मैं नमाज का नाटक करके दूसरे धर्मों का अपमान नहीं करूँगा। यहाँ तक कि अजहरुद्दीन और एआईएमआईएम जैसे मुस्लिम नेताओं ने भी इसे नहीं पहना। लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस उम्मीदवार ने इसे पहना – सिर्फ वोटों के लिए। क्या मुख्यमंत्री में अजहरुद्दीन से वक्रतुंड महाकाय का जाप करने को कहने का साहस है? या ओवैसी को भाग्यलक्ष्मी मंदिर ले जाकर उनसे

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कब तय होगी भारत के रेल तंत्र की जवाबदेही

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है।

पिछले कु छ सालों में रेल की दुर्घटनाओं पर खबरें आना आम हो गई हैं। अभी हाल में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात का प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत ब?ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं। इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महिला मतदाताओं पर सियासी दांव-पेंच

वेद विलास उनियाल

बिहार के चुनाव में महिला मतदाताओं पर प्रभाव बनाने के लिए एनडीए और महागठबंधन दोनों ने पूरी कोशिश की है। दोनों ही गठबंधन ने महिला मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए वादों का पिटारा खोल दिया है। हालांकि, एनडीए या महागठबंधन ने जिस स्तर पर महिलाओं के सामने उनके विकास और सुरक्षा को लेकर दावे किए हैं उस स्तर पर महिलाओं को बढ़-चढ़कर टिकट नहीं मिल पाए हैं। बिहार में महिला मतदाताओं का सीएम नीतीश कुमार पर प्रभाव रहा है। जेडीयू को अलग-अलग समय में जीत हसिल कराने में महिला मतदाताओं का काफी योगदान रहा है। अब आरजेडी के नेता कोशिश कर रहे हैं कि नीतीश के इस प्रभाव को कम किया जाए। तेजस्वी ने भी महिलाओं को लुभाने के लिए कई वादे कर दिए हैं। बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाताओं में तीन करोड़ 50 लाख से ज्यादा महिला मतदाता हैं, लेकिन 243 सीटों में से केवल 65 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं।

महागठबंधन ने आरजेडी से 23 और कांग्रेस ने पांच महिलाओं को टिकट दिया है। सीपीआई माले ने 20 प्रत्याशियों में केवल एक महिला को टिकट दिया है। सीपीआई सीपीएम की झोली से एक भी टिकट नहीं निकला। वीआईपी ने भी एक महिला को टिकट दिया। इसी तरह एनडीए में भी जेडीयू और बीजेपी ने 13-13 महिलाओं को टिकट दिया। जबकि सहयोगी संगठनों में एलजेपी आरएलएम और हम के जरिए आठ टिकट महिलाओं को मिले। इनमें भी हम के दो महिला प्रत्याशी जीतनराम मांझी के परिवार की ही हैं। महिलाओं के लिए वादों में उत्साह जरूर था, लेकिन टिकट देने में रुझान कम दिखा। बिहार में नीतीश को सत्ता दिलाने में महिला मतदाताओं का बड़ा योगदान रहा है। वर्ष 2015 में शराबबंदी और सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण का फार्मूला काम आया। इससे पहले 2009 में नीतीश ने स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल उपलब्ध कराई थी। वर्ष 2020 में जीविका योजना पर फोकस किया। लेकिन हर चुनाव में नीतीश की जीत में महिलाओं के वोट का खासा योगदान था।

नीतीश कुमार के शासन में महिलाओं के कल्याण को लेकर कई योजनाएं चलती रहीं। लेकिन चुनाव से ठीक पहले नीतीश ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू करके मास्टर स्ट्रोक खेलने की कोशिश की। इसके जरिए

लगभग एक करोड़ बीस लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये देने के अलावा कई डायरेक्ट कैश ट्रांसफर करने का ऐलान किया गया। यही नहीं आंगनबाड़ी सेविकाओं और रसोइयों का मानदेय भी बढ़ाया गया। महिलाओं को रोजगार के लिए दस दस हजार रुपये की सहायता में नीतीश सरकार ने महिलाओं को साथ जोड़ने की कोशिश की है। पेंशन योजना और दूसरी कई योजनाओं से नीतीश सरकार ने जहां अपने स्तर पर राज्य की महिलाओं को साधने की कोशिश की है वहीं केंद्र के स्तर पर केंद्र सरकार ने जनधन योजना, मुफ्त गैस जैसी योजनाओं के सहारे यह साबित करने की कोशिश की है कि एनडीए महिलाओं के उन्नति और आत्मनिर्भरता के लिए कदम बढ़ाती है। मुफ्त अनाज योजना खासकर महिलाओं की रसोई का बड़ा आधार बना है। एनडीए ने जिस तरह आरजेडी को जंगल राज के बहाने घेरने की कोशिश की है उसके पीछे महिलाओं को सुरक्षा का भाव देने की नीति है। पीएम मोदी ने अपनी सभाओं में इस बात पर जोर दिया है कि नीतीश के शासन में बिहार में कानून का राज है। दरअसल, नीतीश जब पहली बार मुख्यमंत्री बने तो उन्हें अहसास था कि केवल अपनी जाति के सहारे वह आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए उन्होंने पिछड़ों अति पिछड़ों के साथ-साथ महिलाओं को एक प्रभावी समूह के रूप में देखा। इससे लव-कुश यानी कुर्मी-कोइरी के साथ-साथ महिलाओं का बड़े स्तर पर उन्हें समर्थन मिला। इसी आधार पर नीतीश ने फिर अपनी बिसात 2025 के इन चुनावों के लिए बिछाई है। इसलिए नीतीश की नीतियों में इसका खासा जोर दिखता है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की सियासी बिसात में मुस्लिम यादव का प्रभाव उन्हें एक प्रभावी राजनेता तो बनाता है लेकिन चुनाव जीतने के लिए इससे आगे भी वोट समीकरण की जरूरत होती है।

90 के दशक में जब लालू यादव अपने सियासत के चरम पर थे तब उन्हें पिछड़ा अति पिछड़ा दलित और मुस्लिमों का समर्थन प्राप्त था। लेकिन यह समीकरण सिमटता गया। आरजेडी का प्रभाव यादव और मुस्लिमों तक सिमट कर रहा गया। जिस तरह 2020 के चुनाव में मतों का बहुत मामूली फर्क एनडीए और महागठबंधन के बीच था उसे देखते हुए आरजेडी ने महसूस किया है कि उसे एनडीए के कुछ प्रभावी समूहों पर सेंध लगानी पड़ेगी।

भविष्य में पौधों से रोशन होंगे स्मार्ट शहर

मुकुल व्यास

आने वाले समय में पेड़ सड़कों को रोशन करेंगे और बाग-बगीचे पौधों के रंग-बिरंगे प्रकाश में चमकेंगे। पेड़-पौधों का चमकना आपको कुछ विचित्र लग सकता है लेकिन प्रकृति में जैव प्रकाश अथवा बायोल्यूमिनेसेंस के कई उदाहरण पहले से मौजूद हैं, जिनमें जंगल की जमीन पर चमकने वाले मशरूम और समुद्र को रोशन करने वाले प्लैंकटन नामक सूक्ष्म पौधे शामिल हैं। जैव प्रकाश के इन प्राकृतिक नजारों से प्रेरित होकर वैज्ञानिकों ने चमकने वाले बगीचों और अपने आप जगमग होने वाले शहरों के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक ऐसे पौधे बनाने में सफल हो गए हैं जो बहुत तेज चमकते हैं और मिनटों में रिचार्ज हो जाते हैं। ऐसे पौधों को न तो बैटरी चाहिए और न ही कोई प्लग। इनमें किसी आनुवंशिक छेड़छाड़ की आवश्यकता भी नहीं पड़ती।

मैटर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में रिसर्चरों ने ऐसे चमकते पौधों का वर्णन किया है, जो सूर्य के प्रकाश में रिचार्ज होते हैं और रंगीन आभा उत्सर्जित करते हैं। रिसर्चरों ने पाया कि पत्तियों में प्रकाश-संग्रही कणों का इंजेक्शन लगाने के बाद पौधे छोटे रात्रि लैंपों को टक्कर देने लायक प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम हो जाते हैं। वैज्ञानिकों ने पौधों को चमकदार बनाने के लिए घरों के अंदर रखे जाने वाले सजावटी पौधों को चुना। इन छोटे रसीले पौधों में मोटे तने और मोटी पत्तियां होती हैं। इन्हें 'सक्युलेंट' भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने पौधों में प्रकाश उत्पन्न करने के लिए पत्तियों की कोशिकाओं के बीच प्राकृतिक स्थानों में छोटे, प्रकाश-संग्रही क्रिस्टल डालने की एक विधि विकसित की है। ये क्रिस्टल सूर्य के प्रकाश या घर के अंदर की तेज रोशनी में चार्ज होते हैं, फिर रोशनी बंद होने के बाद धीरे-धीरे उस ऊर्जा को दृश्यमान चमक के रूप में छोड़ते हैं। इस चमक को आफ्टरग्लो कहा जाता है। रसीले पत्तों की आंतरिक संरचना घनी और एक समान होती है।

इनमें कण समान रूप से फैलते हैं और पूरा पौधा सुचारु रूप से प्रकाशमान होता है। शोधकर्ताओं ने पौधों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया और हरे रंग सहित विभिन्न चमकदार रंगों का पता लगाया। उन्होंने दर्शाया कि पौधे सामान्य रूप से जीवित रहते हुए भी मृदुल प्रकाश का बैटरी-मुक्त पुन: प्रयोज्य स्रोत प्रदान कर सकते हैं। दक्षिण चीन कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और प्रथम लेखक शुटिंग लियू ने कहा कि हॉलीवुड की साइंस फिक्शन फिल्म 'अवतार' में चमकते पौधों को पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को रोशन करते हुए दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि हम अवतार फिल्म की कल्पना को उन सामग्रियों का उपयोग करके संभव बनाना चाहते थे जिन पर हम प्रयोगशाला में पहले से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए कि चमकते पेड़ स्ट्रीट लाइट का भी काम करने लगें। प्रकाशमान पौधे बनाने के लिए पहले किए गए प्रयास आनुवंशिक इंजीनियरिंग पर आधारित थे। ये विधियां आमतौर पर हल्का हरा प्रकाश उत्पन्न करती थीं और साथ में इसमें उच्च लागत और जटिल तकनीकों जैसी कई चुनौतियां भी थीं।

वैज्ञानिकों ने नए तरीके में अकार्बनिक कणों का उपयोग करके इन समस्याओं को दूर किया है। रोशनी उत्पन्न करने वाले ये पदार्थ पहले से ही चमकने वाले खिलौनों और सुरक्षा संकेतों में प्रयुक्त होते हैं। ये कण सस्ते हैं और व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। ये कण प्रकाश ऊर्जा को कुशलतापूर्वक संगृहीत करने में सक्षम हैं, जिससे ये पौधों को जीवित प्रकाश स्रोतों में बदलने के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं। शोधकर्ताओं ने अपने प्रयोग में हरे फॉस्फोर (स्ट्रॉनशियम एल्युमिनिट) कणों का इस्तेमाल किया, जो ऊर्जा मिलने पर प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। फॉस्फोर के क्रिस्टल एक छोटे ऊर्जा नेटवर्क की तरह काम करते हैं। चूंकि पानी पौधों की चमक को बुझा सकता है, इसलिए शोधकर्ताओं ने पत्तों के जलीय वातावरण में क्रिस्टल के कणों को स्थिर रखने के लिए उन पर फॉस्फेट की एक पतली परत चढ़ाई। पत्तियां ठोस स्लैब जैसी नहीं होतीं। उनकी कोशिकाओं के बीच सूक्ष्म गलियारे होते हैं। शोधकर्ताओं ने रसीले पत्ते में एक छोटा-सा इंजेक्शन लगाकर 'चमकते मोतियों' को उन गलियारों से प्रवाहित होने और कोशिकाओं के बाहर बसने दिया। ये कण कोशिका के अंदरूनी हिस्सों में प्रवेश नहीं करते हैं। न ही वे शिराओं को अवरुद्ध करते हैं। इस स्थिति के कारण ये कण कुशलतापूर्वक ऊर्जा से चार्ज होते रहते हैं।

दूसरी तरफ पौधे का अपना तंत्र चलता रहता है। दरअसल, पत्तियों की एक समान संरचना ही इस विधि की कामयाबी का राज है। एचेवेरिया मेबिना जैसे कुछ सक्युलेंट पौधे फास्फोर कणों के मूवमेंट के लिए सही आंतरिक संरचना प्रदान करता है। इसके घने और समान रूप से फैले टिशू चैनल कणों के तेजी से प्रसार को संभव बनाते हैं, जिससे एक समान और तेज चमक पैदा होती है। सामान्य पत्तेदार पौधों की तुलना में सक्युलेंट पौधों के सघन टिशू फास्फोर कणों को आसानी से फैलने देते हैं। इससे सूर्य के प्रकाश या एलईडी प्रकाश के संपर्क में आने के कुछ ही मिनटों बाद समान रूप से चमकती पत्तियां बन जाती हैं, जिनकी चमक लगभग दो घंटे तक बनी रहती है। यह प्रक्रिया काफी सरल है और इसे दोहराने में कुछ ही मिनट लगते हैं। आप जल्द ही सार्वजनिक रूप से चमकते पौधों को देखने की उम्मीद कर सकते हैं। चमक प्रभाव को कई पौधों पर आसानी से लागू किया जा सकता है।

आंख की रोशनी बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

आजकल की डिजिटल दुनिया में जहां हमारा अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीतता है आंखों की देखभाल एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौती बन गई है। घंटों तक मोबाइल, लैपटॉप और टेलीविजन का उपयोग हमारी आंखों पर भारी दबाव डालता है, जिससे आंखों की रोशनी कमजोर होने लगती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी आंखों के स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें। दवाओं और चश्मे से हटकर, प्राकृतिक तरीकों से भी आंखों की रोशनी को बढ़ाया जा सकता है। हमारे खान-पान में कुछ ऐसी चीजें हैं जिनमें मौजूद पोषक तत्व आंखों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। अपनी डाइट में इन तीन चीजों को अपनी डाइट में शामिल करके आप न केवल अपनी आंखों को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि भविष्य में होने वाली कई गंभीर समस्याओं, जैसे मोतियाबिंद और मैक्यूलर डीजेनरेशन, से भी खुद को बचा सकते हैं।

मछली

सैल्मन, टूना और मैकेरल जैसी वसायुक्त मछलियां ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आंखों के रेटिना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है और यह आंखों के सूखेपन को कम करने में भी मदद करता है। यह आंखों में सूजन और जलन को कम करने में भी सहायक होता है। जो लोग मछली नहीं खाते, वे ओमेगा-3 के लिए अखरोट, चिया बीज और अलसी के बीजों का सेवन कर सकते हैं। हालांकि सिर्फ खाने-पीने से ही सब कुछ नहीं होता। नियमित रूप से आंखों के व्यायाम, पर्याप्त नींद और स्क्रीन टाइम को सीमित करना भी आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

खट्टे फल

संतरा, नींबू, मौसमी और अंगूर जैसे खट्टे फल विटामिन सी के बेहतरीन स्रोत हैं। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करता है। यह आंखों के लेंस को स्वस्थ बनाए रखने और मोतियाबिंद के खतरे को कम करने में भी सहायक होता है। खट्टे फलों का नियमित सेवन आंखों की रक्त वाहिकाओं को मजबूत बनाता है। इन सभी उपायों को अपनाकर आप अपनी आंखों को स्वस्थ और मजबूत बना सकते हैं। इसके अलावा यह आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित हो सकता है। कीवी में विटामिन के, विटामिन सी, विटामिन ई, फोलेट, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं।

गाजर

गाजर मुख्य रूप से सर्दियों में खूब मिलती है, लेकिन अब आपको लाल-नारंगी रंग की गाजर 12 महीने सब्जी मार्केट में दिख जाएगी। हालांकि, गर्मियों या बारिश के मौसम में मिलने वाली गाजर में उतना स्वाद नहीं होता है, जितने की सर्दियों में मिलने वाली गाजर खाने में स्वादिष्ट लगती है। गाजर खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। खासकर ये आंखों के लिए खूब हेल्दी होती है। गारज में प्रोटीन भरपूर होता है। साथ ही इसमें ढेरों पौष्टिक तत्व होते हैं जैसे विटामिंस, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स जो इम्यूनिटी, किडनी, हार्ट, लिवर सभी को हेल्दी रखते हैं। गाजर में कैलोरी भी कम होती है। गाजर आंखों के लिए सबसे प्रसिद्ध और फायदेमंद खाद्य पदार्थों में से एक है। विटामिन ए आंखों की रेटिना को स्वस्थ रखने में मदद करता है और कम रोशनी में देखने की क्षमता को बेहतर बनाता है। बीटा-कैरोटीन शरीर में जाकर विटामिन ए में बदल जाता है, जो रात के अंधेपन को रोकने में सहायक होता है। नियमित रूप से गाजर का सेवन आँखों के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

हंसना मना है

मरीज को डॉक्टर आखिरकार समझा पाया कि ये ऑपरेशन कितना जरूरी है लेकिन जैसे ही उसने 8 लाख का खर्चा बताया मरीज ने फिर मना कर दिया। डॉक्टर बोला — तुम पहले 2 लाख जमा कर दो, बाकी 22 हजार हर महीने किस्तों में दे देना। मरीज बोला — ये तो ऐसे हो गया, जैसे मैं कोई कार ले रहा हूं। डॉक्टर बोला — कह तो सही रहे हो.. लेकिन कार तुम नहीं मैं ले रहा हूं।

काका- कमर में बहुत दर्द है, जरा गुप्ता जी के घर से आयोडक्स ले आओ। काकी- वो नहीं देंगे वो बहुत कंजूस है। काका- हां, है तो खानदानी कंजूस साले, पता नहीं इतना पैसा लेकर कहां जाएंगे, मर जाएंगे यू ही, ऐसा करो तुम अलमारी से अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है?

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो? मरीज- जी, मंदिर चला जाता हूं। डॉक्टर-ध्यान लगाते हो वहां? मरीज- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं। मरीज की बात सुनकर डॉक्टर हैरान रह गया।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बड़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बड़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा।

मिथुन आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुम्भ व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हॉलीवुड में मैंने अपनी शर्तों पर काम किया : दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है। दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है। दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अक्सर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए। दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा।

फिल्म नागजिला में कार्तिक आर्यन संग जमेगी प्रतिभा रांटा की जोड़ी

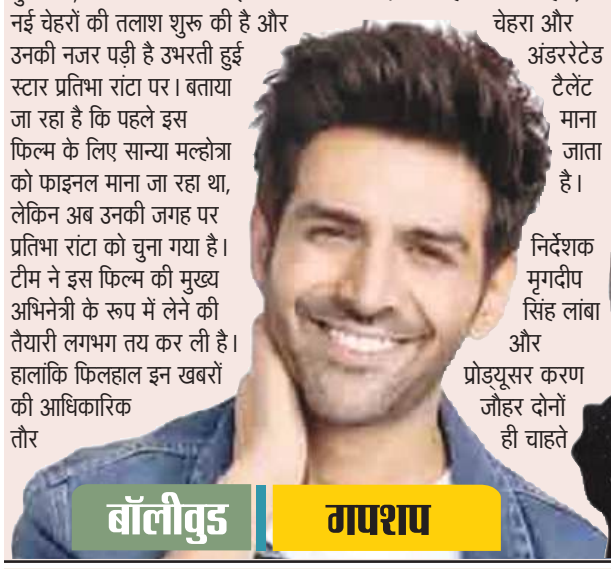

बॉलीवुड | गपशप

कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म नागजिला को लेकर इन दिनों काफी बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। सेट से पूजा करने का वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। अब इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस से जुड़ी खबर सामने आ रही है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने इस बार नई चेहरों की तलाश शुरू की है और उनकी नजर पड़ी है उभरती हुई स्टार प्रतिभा रांटा पर। बताया जा रहा है कि पहले इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को फाइनल माना जा रहा था, लेकिन अब उनकी जगह पर प्रतिभा रांटा को चुना गया है। टीम ने इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के रूप में लेने की तैयारी लगभग तय कर ली है। हालांकि फिलहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रतिभा के चयन की चर्चा इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि उन्हें एक फ्रेश चेहरा और अंडररेटेड टैलेंट माना जाता है। निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा और प्रोड्यूसर करण जौहर दोनों ही चाहते हैं कि फिल्म की जोड़ी एकदम फ्रेश दिखे। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी पेयरिंग को लेकर काफी बज बन रहा है। कहा जा रहा है कि प्रतिभा के पास पहले से ही मैडॉक फिल्म्स की एक बड़ी फिल्म है जिसकी शूटिंग अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में होनी है, लेकिन अगर डेट्स में टकराव नहीं हुआ, तो वे निश्चित रूप से नागजिला का हिस्सा बन सकती हैं।

अब बात करते हैं फिल्म के कॉन्सेप्ट की- नागजिला अपने नाम जितनी रहस्यमयी लगती है, उतनी ही इसकी कहानी भी है। इसमें कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग के किरदार में नजर आने वाले हैं, जिसका नाम है प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद। यह किरदार पहले कभी बॉलीवुड में नहीं देखा गया है, क्योंकि यहां इंसानों के इमोशन से जुड़ी कहानियां ज्यादा बनती हैं, लेकिन करण जौहर इस बार नाग लोक की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने जा रहे हैं।

फिल्म से कार्तिक आर्यन का पहला लुक इसी साल अप्रैल में जारी किया गया था, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था।

'हक' में यामी गौतम की एक्टिंग के कायल हुए निर्देशक सुपर्ण

बॉलीवुड | मसाला

यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म 'हक' के निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा हैं। यह फिल्म 1978 के शाह बानो पर इंस्पायर है। हाल ही में निर्देशक ने महिलाओं के अधिकारों, समस्याओं को लेकर बातचीत की। निर्देशक सुपर्ण बोले-महिलाएं अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही हैं

फिल्म 'हक' में महिलाओं के सम्मान पाने और बुनियादी मानवधिकारों के संघर्ष को दिखाया गया है। निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा ने कहा, 'आज भी महिलाएं अपने अस्तित्व के लिए समाज से लड़ रही हैं। हम कई हाशिए पर पड़े समूहों की बात करते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा पिछड़ा वर्ग अभी भी महिलाएं हैं।' वह आगे कहते हैं, 'एक कहावत है कि चीजें जितनी बदलती हैं, उतनी ही वैसी ही रहती हैं। हालात आज भी वही हैं। यही हाल आज महिलाओं का भी है। एक पुरुष और एक महिला के बीच का अंतर आज भी वही है। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो पूरी दुनिया में मौजूद हैं। यही फिल्म 'हक' में शाजिया बानो की कहानी है।' बताते चलें कि यह फिल्म मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस से इंस्पायर है।

फिल्म 'हक' में यामी गौतम ने शाजिया बानो और हाशमी ने उनके पति वकील अब्बास खान का रोल निभाया है। निर्देशक ने यामी गौतम की मेहनत और अभिनय को काफी सराहा है। सुपर्ण कहते हैं, 'आपने यामी की कई फिल्में देखी होंगी, उनके चलने और बोलने का एक अलग अंदाज है। उन्होंने शाजिया बानो के किरदार को गढ़ने के लिए अपने अंदर की हर चीज को नया रूप दिया। वह सेट पर शाजिया बानो बन गईं।

अजब-गजब | ये है दुनिया की इकलौती ट्रेन

यहां जमीन पर नहीं, पानी में छुक छुक करती है ट्रेन, देखकर भी नहीं होगा यकीन!

सोशल मीडिया पर एक अनोखा वीडियो वायरल हो रहा है जो जर्मनी से डेनमार्क जाने वाली बर्ड फ्लाइट लाइन ट्रेन का है। इस वीडियो में पूरी ट्रेन समुद्र पर तैरती हुई दिख रही है, जैसे पानी पर दौड़ रही हो। दरअसल, यह दुनिया की आखिरी पैसेंजर ट्रेन फेरी सर्विस है जो पुटगार्डन (जर्मनी) से रोदबी (डेनमार्क) तक 19 किलोमीटर बाल्टिक सागर पार करती है। यह ट्रेन प्लेटफॉर्म से निकलकर सीधे विशाल फेरी के अंदर घुस जाती है, फिर फेरी इंजन स्टार्ट करके समुद्र में चल पड़ती है। ट्रेन पानी पर तैरती लगती है, यात्री उतरकर डेक पर घूमते हैं, समुद्र की लहरें देखते हैं और फोटो खींचते हैं। यह वोगेलफ्लुगलिनी (बर्ड फ्लाइट लाइन) 1963 से चल रही है, नाम इसलिए पड़ा क्योंकि यह पक्षियों की तरह सबसे सीधा और छोटा रूट है हैम्बर्ग से कोपेनहेगन तक के लिए। इस सफर का रोमांच ऐसा है कि इससे यात्रा करने वाले लोगों को भी यकीन नहीं होता है कि वो ट्रेन का सफर पानी के ऊपर कर रहे हैं। इस ट्रेन की डिटेल्स जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यह स्कैंडलाइंस कंपनी की फेरी है जो

हर 30 मिनट में चलती है। ट्रेन फेरी के निचले डेक पर चढ़ती है, ऊपर कारें और ट्रक लोड होते हैं। यात्रा में सिर्फ 45 मिनट लगते हैं, लेकिन अनुभव लाइफटाइम का होता है। यात्री ट्रेन से उतरकर फेरी पर रेस्तरां में खाना खाते हैं, शॉपिंग करते हैं या डेक पर खड़े होकर डॉल्फिन देखते हैं। देखने से ऐसा लगता है जैसे ट्रेन पानी पर उड़ रही है। इस ट्रेन का वीडियो यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल हो गया, जहां इसे लाखों शेयर्स और कमेंट्स मिले।

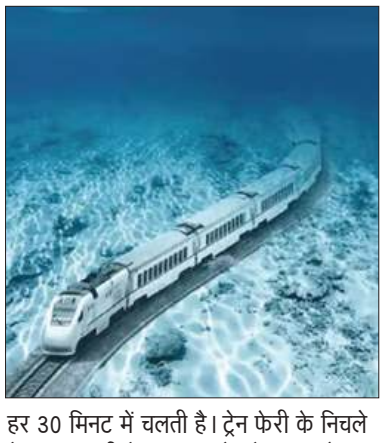

यह लाइन 1920 से प्लान हो रही थी, लेकिन 1963 में पूरी हुई। पहले ग्रोसनब्रोडे से गेडसर फेरी थी, लेकिन फेहमर्न आइलैंड ब्रिज बनने के बाद पुटगार्डन-रोदबी रूट शुरू हुआ। डीएसबी (डेनिश रेलवे) और डीबी (जर्मन रेलवे) की आईसीई3 या आईसीई-टीडी ट्रेनें इस्तेमाल होती थीं। फेरी पर ट्रेन लोडिंग देखना अपने आप में स्पेक्टेकल है, ट्रेन धीरे-धीरे फेरी में घुसती है, दरवाजे बंद होते हैं और समुद्र यात्रा शुरू हो जाती है। 2019 तक रोज 5 यूरोसिटी ट्रेनें चलती थीं, लेकिन अब ज्यादातर रूट जुटलैंड होकर जाती है। फिर भी टूरिस्ट के लिए फेरी पॉपुलर है। अब बड़ी खबर यह कि 2029 में फेहमर्न बेल्ट टनल बन जाएगा, जो दुनिया का सबसे लंबा इमर्स्ड टनल (18 किमी) होगा। इसे ट्रेन 7 मिनट में पार करेगी। डेनमार्क सरकार इसपर 8 बिलियन यूरो खर्च कर रही है जो जर्मनी कनेक्शन बनाएगा। टनल बनने से फेरी बंद हो जाएगी। तब तक यह आखिरी मौका है इस अनोखे सफर का मजा लेने के लिए।

भारत के इस गांव में है अजीबो-गरीब प्रथा, कई दिनों तक बिना कपड़ों के रहती हैं महिलाएं

आज भले ही हम 21वीं सदी में जी रहे हैं लेकिन हमारे आस-पास अब भी कुछ भी ऐसी परंपराएं हैं, जिनके बार में सुनकर आपको भरोसा नहीं होगा। आप सोच में पड़ जाएंगे कि आज के दौर में भी ऐसी बातों पर यकीन किया जाता है। भारत के हर राज्य में कुछ पुराने रीति-रिवाज निभाए जाते हैं। उन्हीं में से एक है हिमाचल प्रदेश की मणिकर्ण घाटी के पीणी गांव की एक अजीबोगरीब परंपरा। यहां औरतें साल में पांच दिनों तक बिना कपड़ों के रहती हैं। तो चलिए जानते हैं इस परंपरा के बारे में। इस गांव की यह अजीबोगरीब परंपरा सावन के महीने में निभाई जाती है। मान्यता है कि इन पांच दिनों में अगर कोई भी महिला कपड़े पहनती है तो उसके घर में कुछ अशुभ हो सकता है और अप्रिय समाचार सुनाई पड़ सकता है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को गांव के प्रत्येक घर में निभाया जाता है। इसके पीछे एक कहानी है। गांव के कुछ लोगों का मानना है कि सदियों पहले यहां एक राक्षस सुंदर कपड़े पहनने वाली औरतों को उठा ले जाता था, जिसका अंत इस गांव में देवताओं ने किया। मान्यता है कि लाहुआ देवता आज भी गांव में आते हैं और बुराइयों से लड़ाई लड़ते हैं। हालांकि वक्त के साथ कुछ चीजों में बदलाव किया गया है। अब इस परंपरा को निभाने के लिए महिलाएं पांच दिनों तक कपड़े नहीं बदलती हैं और बेहद ही पतला कपड़ा पहनती हैं। पहले महिलाएं पांच दिनों तक निर्वस्त्र रहती थीं। इन पांच दिनों में गांव के अंदर मांस-मदिरा का सेवन बंद हो जाता है। साथ ही किसी तरह का जश्न, कार्यक्रम और यहां तक कि हंसना भी बंद कर दिया जाता है। महिलाएं इन दिनों खुद को समाज से बिल्कुल अलग कर लेती हैं।

एसआईआर के जरिए वोट चोरी को ऑर्गनाइज्ड करने की साजिश

» गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वोट चोरी पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत बनाने का प्रयास है। राहुल गांधी मध्य प्रदेश जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए नर्मदापुरम के पचमढ़ी पहुंचे। कांग्रेस सांसद ने दावा किया, वोट चोरी एक मुद्दा है और एसआईआर इस पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत रूप देने के लिए है। निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबर को मतदाता सूची का एसआईआर शुरू किया था।

गांधी ने कहा कि उनका मानना है कि हरियाणा की तरह मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी वोट चोरी हुई। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले, मैंने हरियाणा मेंवोट चोरी पर एक प्रस्तुति दी थी और मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि वोट चोरी हो रही है। 25 लाख वोट चोरी हुए, हर 8 में से 1 वोट चोरी हो गया। उन्होंने कहा, इसे देखने के बाद, आंकड़ों को देखने के बाद, मेरा मानना है कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी ऐसा ही हुआ यह भाजपा और निर्वाचन आयोग की प्रणाली है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि उनके पास और भी सबूत हैं, जिन्हें वह धीरे-धीरे सामने लाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन मेरा मुद्दा वोट चोरी का है। एसआईआर अब यह इस पर पर्दा डालने और व्यवस्था को संस्थागत बनाने का प्रयास है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भविष्य में इस तरह के और खुलासे करेंगे, गांधी ने कहा, हमारे पास बहुत सारी अलग-अलग सूचनाएं, बहुत विस्तृत जानकारी है और हम इसे जारी करेंगे। उन्होंने कहा, लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है, आंबेडकर के संविधान पर हमला किया जा रहा है।

राहुल गांधी बोले- भाजपा देश को बांट रही है

मोदी जी (प्रधानमंत्री), अमित शाह जी (केंद्रीय गृह मंत्री) और ज्ञानेश जी (मुख्य निर्वाचन आयुक्त) मिलजुल कर ऐसा कर रहे हैं।इस वजह से देश को बहुत नुकसान हो रहा है। भारत माता का नुकसान हो रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर देश को बांटने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया, जबकि इंडिया ब्लॉक देश को एकजुट करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह बिहार के युवाओं के लिए रोजगार नहीं चाहते हैं।

आखिर में वोट चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाएंगे मोदी-शाह

बिहार चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। किशनगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि मोदी और शाह कहीं भी जा सकते हैं, लेकिन आखिर में वे वोट चोरी करते हुए पकड़े जाएंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इंडिया ब्लॉक द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों का पीएम मोदी, अमित शाह और यहां तक कि चुनाव आयोग के पास भी कोई जवाब नहीं है। गांधी ने दावा किया कि सच अब लोगों के सामने आ गया है। उन्होंने कहा, पीएम, शाह कहीं भी जा सकते हैं, लेकिन आखिर में वे वोट चोरी करते हुए पकड़े जाएंगे। उन्होंने मतदाताओं से एकजुट होने और चोरी रोकने की अपील की। गांधी ने कहा कि अगर लोग साथ आते हैं और वोट चोरी को रोकते हैं, तो इंडिया ब्लॉक बिहार में 100 प्रतिशत सरकार बनाएगा।

दलितों की जमीन हड़पने पर पार्थ पवार पर प्रहार

» महार वतन को लेकर विपक्ष के निशान पर महायुति सरकार

» तहसीलदार का पुणे सौदे को लेकर अवैध बेदखली नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पिछले हफ़्ते उपमुख्यमंत्री अजित पवार के परिवार में उनके बेटे की कंपनी द्वारा किए गए एक ज़मीन सौदे को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया, जिससे एनसीपी कानूनी पचड़े में पड़ गई और महाराष्ट्र में उसकी सहयोगी भाजपा के साथ भी मतभेद हो गए। इस विवाद के केंद्र में पुणे की सरकारी ज़मीन दलितों के लिए आरक्षित है, जिसके चलते पार्थ पवार की अमाडिया होल्डिंग्स एलएलपी पर ज़मीन चोरी का आरोप लगा। एक और आरोप सौदे के तुरंत बाद स्टाम्प शुल्क माफ़ी का था, जिससे उन्हें करोड़ों की बचत हुई और यह आरोप भी लगे कि मंत्री का बेटा होने के कारण उन्हें अनुचित लाभ मिला।

विपक्ष द्वारा इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश के बीच, भाजपा ने मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया और जांच शुरू कर दी। इस मामले में घिरे अजित पवार ने सार्वजनिक रूप से अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को कानूनी पहलुओं की जानकारी नहीं थी और इस बात की पुष्टि की कि अब यह सौदा रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा अजित पवार के बेटे पार्थ से जुड़ी एक कंपनी के विवादास्पद भूमि सौदे के मामले में निलंबित तहसीलदार ने लंबे समय से किरायेदार रहे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) से जमीन खाली करने को कहा था। बीएसआई को बेदखली नोटिस में, तत्कालीन तहसीलदार सूर्यकांत येओले ने केंद्रीय संगठन को सूचित किया था कि कंपनी, अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी ने ''कानूनी रूप से'' संपत्ति हासिल की है। पुणे के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने कहा कि यह नोटिस ''अवैध'' है। पुणे के पॉश मुंधवा इलाके में 40 एकड़ जमीन 300 करोड़ रुपये में एक कंपनी को बिक्री की गई, जिसमें अजित पवार के बेटे पार्थ पवार के पास सबसे अधिक हिस्सेदारी है। इस सौदे को लेकर अनियमितताओं और जरूरी मंजूरी नहीं होने के आरोप लगे हैं।

भारत माता के पुत्र के रूप में संघ में कोई भी आ सकता है : भागवत

» आरएसएस प्रमुख बोले- संघ किसी भी व्यक्ति का धर्म या जाति नहीं पूछता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मुसलमान और ईसाई समेत सभी धर्मों के लोग संगठन में शामिल हो सकते हैं, लेकिन धार्मिक अलगाव को दरकिनार करते हुए एक एकीकृत हिंदू समाज के सदस्य के रूप में। मुसलमानों को आरएसएस में शामिल होने की अनुमति है या नहीं, इस सवाल का जवाब देते हुए भागवत ने कहा, किसी भी ब्राह्मण को संघ में शामिल होने की अनुमति नहीं है। संघ में किसी अन्य जाति को शामिल होने की अनुमति नहीं है। किसी भी मुसलमान या ईसाई को संघ में शामिल होने की अनुमति नहीं है... केवल हिंदुओं को ही संघ में शामिल होने की अनुमति है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी धर्मों के अनुयायियों का संघ में शामिल होने का स्वागत है, बशर्ते वे भारत माता के पुत्र के रूप में आएं।

उन्होंने कहा, इसलिए विभिन्न संप्रदायों – मुसलमान, ईसाई– किसी भी संप्रदाय के लोग संघ में आ सकते हैं, लेकिन अपनी अलग पहचान बनाए रखें। आपकी विशेषता का स्वागत है। लेकिन जब आप शाखा में आते हैं, तो आप भारत माता के पुत्र, इस हिंदू समाज के सदस्य के रूप में आते हैं। भागवत ने आगे कहा कि संघ अपनी दैनिक शाखाओं में आने वाले किसी भी व्यक्ति का धर्म या जाति नहीं पूछता। उन्होंने कहा, मुसलमान शाखा में आते हैं, ईसाई शाखा में आते हैं, और हिंदू कहे जाने वाले समाज की अन्य सभी जातियां भी शाखा में आती हैं। लेकिन हम उनकी गिनती नहीं करते, और न ही यह पूछते हैं कि वे कौन हैं। हम सभी भारत माता के पुत्र हैं। संघ इसी तरह काम करता है। उनकी यह टिप्पणी आरएसएस द्वारा आयोजित एक आंतरिक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान आई, जहां उन्होंने संगठन के पंजीकरण की स्थिति, राजनीतिक झुकाव और अन्य धर्मों के साथ संबंधों पर भी सवाल पूछे।

वंदे भारत के उद्घाटन में आरएसएस गाने पर बवाल

» विपक्ष ने बताया बड़ी साजिश, उठाया सवाल

» रेलवे सांप्रदायिक प्रोपेगैंडा फैला रहा है : विजयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल में वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन पर स्कूल छात्रों द्वारा गाए गए गाने को लेकर विवाद गहरा गया है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इसे आरएसएस का गाना बताकर रेलवे पर सांप्रदायिक प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप लगाया है, जो संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। इस घटना ने केरल की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है, जिस पर शिक्षा मंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आरोप लगाया है कि स्टूडेंट्स से आरएसएस का गाना गवाया गया, जो संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है।

एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही नई वंदे भारत एक्सप्रेस में सरस्वती विद्यालय के स्टूडेंट्स ने एक मलयालम गाना गाया था। साउथर्न रेलवे ने इस गाने के वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए, जिसे बाद में आरएसएस का गाना होने के आरोपों के कारण आलोचना झेलने पर हटा दिया गया।मुख्यमंत्री विजयन ने इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम में आरएसएस का गाना शामिल करना संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, रेलवे का इस्तेमाल, संघ परिवार द्वारा अपने कथित सांप्रदायिक राजनीतिक प्रोपेगैंडा को फैलाने के लिए किया जा रहा है, जो मंजूर नहीं है। मार्क्सवादी नेता विजयन ने दावा किया कि रेलवे द्वारा आरएसएस के गाने को एक देशभक्ति गाना बताकर सोशल मीडिया पर शेयर करना भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का मजाक उड़ाना है।

गैर-कानूनी और गैर-लोकतांत्रिक कृत : सतीशन

कांग्रेस नेताओं ने भी इस घटना की कड़ी आलोचना की। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने इसे गैर-कानूनी और गैर-लोकतांत्रिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केरल में उत्तर भारत की तरह बांटने की राजनीति लागू करने की कोशिश कर रही है। रमेश चैन्नितला (कांग्रेस कमेटी सदस्य) ने इसे बहुत ही घटिया राजनीतिक साजिश और देश की बेइज्जती बताया।

ध्रुव जुरेल का कोलकाता टेस्ट में खेलना लगभग तय

» 14 नवंबर से शुरू हो रहा पहला टेस्ट, छह बल्लेबाजों के साथ उतर सकती है टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय विकेटकीपर और उपकप्तान ऋषभ पंत अगर टीम में वापसी करते हैं, फिर भी ध्रुव जुरेल की शानदार लय को भारतीय टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा नजरअंदाज करना काफी मुश्किल होगा। यह देखने वाली बात होगी कि पंत खेलते हैं या नहीं, क्योंकि शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका-ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट में उन्हें दो बार चोट लगी थी। चोट इतनी गंभीर नहीं है। हालांकि, बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका ध्यान रख रही है।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच कोलकाता में 14 नवंबर से शुरू होगा और इसमें जुरेल का बल्लेबाज के तौर खेलना लगभग तय माना जा रहा है। पंत जब टखने के फ्रैक्चर से उबर रहे थे, तब जुरेल ने भारत के लिए पिछले तीन टेस्ट मैचों लंदन (ओवल), अहमदाबाद और दिल्ली में विकेटकीपिंग की थी, लेकिन उप-कप्तान की वापसी ने कोलकाता में एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले प्लेइंग-11 का चयन थोड़ा मुश्किल बना दिया है। सूत्रों की माने तो जुरेल के विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर खेलने की संभावना है। उन्हें आदर्श रूप से साईं सुदर्शन की जगह तीसरे क्रम या हरफनमौला नीतीश कुमार रेड्डी की जगह निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए उतारा जा सकता है। भारतीय परिस्थितियों में टीम को रेड्डी की गेंदबाजी की ज्यादा जरूरत नहीं होगी। गौतम गंभीर आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी को प्लेइंग-11 में रखने के पक्ष में रहते हैं, लेकिन वह जुरेल को मध्यक्रम में अधिक मौका देना चाहेंगे। भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ खेल सकता है।

जुरेल का शानदार रहा है घरेलू सत्र

घरेलू सत्र की शुरुआत से जुरेल ने 140, एक और 56, 125, 44 और छह, नाबाद 132 और नाबाद 127 रन की शानदार पारियां खेली है। उन्होंने इस दौरान प्रथम श्रेणी के पिछले आठ मैच में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें से एक शतक टेस्ट मैच में आया है।

बिहार में थम गया प्रचार, कल होगा दूसरे चरण का मतदान

» कांग्रेस-राजद ने भाजपा-जदयू पर किया वार- पलटवार

» एनडीए के 122 महागठबंधन के 126 प्रत्याशी मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में दूसरे चरण का प्रचार रविवार को थम गया। राजद, भाजपा, कांग्रेस व जदयू ने जमकर रोडशो व रैलियों में आम जन से वोट मांगा। इसबीच राजग व महागठबंधन दोनों ने एक दूसरे पर पलटवार के साथ अपनी-अपनी जीत के दावे किए। भाजपा नेता अमित शाह व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक दूसरे पर तीखे प्रहार किए।

11 नवंबर यानी कल दूसरे चरण का मतदान होगा। 20 जिलों में 122 विधानसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है। चुनाव प्रचार थम चुका है। प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से मिल रहे। अंतिम चरण में राष्ट्रीय जनतांत्रिक के 122, महागठबंधन के 126 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इनमें भाजपा के 53, जदयू के 44, लोजपा-रामविलास 15, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चार और हम के छह प्रत्याशी शामिल हैं।

वहीं राजद के 70, कांग्रेस के 37, वीआईपी के आठ, सीपीआई के चार, सीपीआई एमएल के छह और सीपीआई के एक प्रत्याशी के भाग्य का फैसला दूसरे चरण के मतदान में होना है।

वहीं जनसुराज पार्टी के 120 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इस चरण में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, रेणु देवी, मंत्री विजेंद्र यादव, नीतीश मिश्रा, प्रेम कुमार, कृष्णनंदन पासवान, प्रमोद कुमार, शीला मंडल, लेशी सिंह, जयंत राज, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी की प्रतिष्ठा, राजद के वरिष्ठ नेता उदय नारायण चौधरी, रालोमो के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता, कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, भाकपा माले के विधायक दल के नेता महबूब आलम जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

नीतीश कुमार ही हमारे सीएम उम्मीदवार : धर्मेन्द्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री और बिहार भाजपा प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, जो विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले बिहार में प्रचार कर रहे हैं, ने सोमवार को स्पष्ट रूप से कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने को लेकर कोई भ्रम नहीं है। प्रधान ने बताया कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) बिल्कुल स्पष्ट रहे हैं। उन्होंने पहले ही कह दिया है कि हमारे पास कोई पद खाली नहीं है। हमें उस व्यक्ति (जो वर्तमान मुख्यमंत्री हैं) का नाम क्यों लेना चाहिए? नाम तो नीतीश कुमार का है। भ्रम कहाँ है? हमें कोई भ्रम नहीं है। हमारा (मुख्यमंत्री) चेहरा नीतीश कुमार हैं। नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा न बनाए जाने पर कुशवाहा समुदाय में संभावित असंतोष के बारे में पूछे जाने पर, प्रधान ने कहा कि इस बार कुशवाहा समुदाय हमारे साथ है। जो नाराज़ थे, वे सब वापस आ गए। सम्राट चौधरी, उपेंद्र कुशवाहा, इस देश के दो महान कुशवाहा नेता, एनडीए के साथ हैं।

बदलाव निश्चित है : तेजस्वी यादव

दूसरे चरण के मतदान से पहले राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रथम चरण के बाद एनडीए खेमे में भारी गमगीन माहौल है। इस बार बदलाव निश्चित है इसलिए अधिकारी फ़ोन करने वाले का स्क्रीनशॉट तक हमें भेज रहे है। बिहार सरकार के ईमानदार अधिकारी बिना रिटायर्ड अधिकारियों के दबाव में आए संविधान सम्मत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। दो गुजराती येनकेन प्रकारेण बिहार पर कब्जा करना चाहते है। वो बिहार को अपना उपनिवेश बनाना चाहते है। बिहार की जनता संविधान विरोधी कार्य करने वाले बेगैरत बे-ज़मीर सत्ताधारी नेताओं को कड़ा सबक सिखाने के लिए एक पैर पर खड़ी है। गणतंत्र की जननी बिहार में इनकी वोट चोरी हरगिज नहीं चलेगी। जनता हर प्रकार से यानि हर प्रकार से इनकी वोट चोरी और लोकतंत्र की डकैती रोकने के लिए तैयार है।

एनडीए प्रचंड जीत हासिल करेगा : सम्राट

बिहार की जनता पूरी तरह से एनडीए के साथ है। उन्होंने दावा किया कि 11 नवंबर को होने वाले मतदान में एनडीए प्रचंड जीत हासिल करेगा। तारापुर विधानसभा के प्रत्याशी सम्राट चौधरी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 11 नवंबर को भारी संख्या में मतदान करें और विकास, सुरक्षा व स्थिरता के लिए एनडीए की सरकार दोबारा बनाएं। सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा शासनकाल में रोजगार, शिक्षा और उद्यमिता को लेकर बड़े पैमाने पर काम हुआ है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं। जनता तय करेगी कि राजा कौन बनेगा, न कि कोई परिवार।

पिछले कुछ सालों में जजों पर आरोपों का चलन बढ़ा : गवई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी.आर. गवई ने सोमवार को एक अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जजों के किसी पार्टी के फेवर में आर्डर पास न करने की स्थिति में उसके खिलाफ गलत आरोप लगाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। 23 नवंबर को रिटायर होने वाले सीजेआई गवई आज एन. पेड्डी राजू केस में कोर्ट की अवमानना पर सुनवाई कर रहे थे। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने राजू को तेलंगाना हाई कोर्ट की जज जस्टिस मौशुमी भट्टाचार्य के खिलाफ गलत टिप्पणी करने के लिए फटकार लगाई।

» सीजेआई ने जताई नाराजगी बोले- ये अनुचित : गवई

सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट के जज द्वारा राजू की माफी स्वीकार कर ली गई है, जिसके बाद कोर्ट ने केस बंद कर दिया। हालांकि चीफ जस्टिस ने साफ कर दिया कि वह इससे खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, ऐसी हरकतों की कड़ी निंदा होनी चाहिए। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा, इस कोर्ट ने 1954 में ही यह कहा था कि वकील कोर्ट के ऑफिसर होने के नाते कोर्ट के प्रति अपनी ड्यूटी निभाते हैं। कानून की शान सजा देने में नहीं, बल्कि माफी मांगने पर माफ करने में है। चूंकि राजू ने हाईकोर्ट के जिस जज के खिलाफ आरोप लगाए गए थे उन्होंने उसकी माफी स्वीकार कर ली है, इसलिए हम आगे कोई कार्रवाई नहीं करेंगे।

वकील सावधानी बरतें : जुलाई में टॉप कोर्ट ने याचिकाकर्ता और उसके वकीलों को तेलंगाना हाईकोर्ट के जज के खिलाफ अपनी याचिका में गलत आरोप लगाने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए याचिका वापस लेने की इजाजत देने से इनकार कर दिया और कहा, हम किसी भी याचिकाकर्ता को किसी जज के खिलाफ ऐसे आरोप लगाने की इजाजत नहीं दे सकते।

राजनीति में आ रहीं नई पार्टियों की कोई विचारधारा नहीं : उदयनिधि स्टालिन

» डीएमके नेता का टीवीके अध्यक्ष विजय पर तीखा हमला

» बोले- बिना विचारधारा की पार्टी गत्ते के बक्से जैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने टीवीके अध्यक्ष और फिल्म अभिनेता विजय पर तीखा हमला बोला है। डीएमके पार्टी के एक कार्यक्र म में उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि राजनीति में आ रहीं नई पार्टियों की कोई विचारधारा नहीं होती और वे गत्ते के बक्से के समान होती हैं। कुछ माह पहले ही विजय ने टीवीके का गठन किया है और पार्टी पहली बार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी।

उदयनिधि स्टालिन

ने टीवीके या विजय का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि उदयनिधि का निशाना टीवीके और विजय ही हैं। उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि कई नई पार्टियां डीएमके की विचारधारा को तबाह करने के लिए आ रही हैं, लेकिन डीएमके के लिए विचारधारा ही उसका आधार है। अगर विचारधारा मजबूत होगी तो उस पर इमारत भी मजबूत ही बनेगी। आज कई लोग राजनीति में आ रहे हैं, लेकिन उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। अपनी बात समझाते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि ताजमहल और एफिल टावर की तस्वीरें देखकर लोगों ने अपने शहरों में भी उनके मॉडल दिखाए, जिन्हें देखने भारी संख्या में लोग उमड़े, लेकिन आखिर में वे सिर्फ गत्ते के बक्से निकले। जिनका कोई आधार या विचारधारा नहीं है। एक हल्की सी हवा भी उन्हें उड़ा सकती है।

गांधी सरनेम पर शिवसेना ने प्रियंका गांधी को घेरा

» शाइना एनसी बोलीं- नाम से कोई गांधी के सिद्धांतों का पालन नहीं करता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने प्रियंका गांधी वाड्रा पर महागठबंधन की तुलना महात्मा गांधी के संघर्ष से करने पर हमला बोला। शाइना ने कहा कि गांधी सरनेम होने से कोई महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन नहीं करता। उन्होंने बिहार में विकास के लिए राजग को एकमात्र विकल्प बताया।

प्रियंका गांधी ने कटिहार में कहा था कि महागठबंधन की लड़ाई नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है और भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी हमेशा अहिंसा और शांति की बात करते थे, लेकिन वहां (बिहार में), आप उन्हीं लुटेरों के साथ महागठबंधन में हैं। झूठ मत फैलाइए, क्योंकि बिहार के लोग जानते हैं कि अगर वे विकास के लिए वोट देना चाहते हैं तो उनके सामने एकमात्र विकल्प राजग है। इससे पहले शनिवार को प्रियंका गांधी ने कटिहार के कदवा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, आज कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वही लड़ाई महात्मा गांधी ने भी लड़ी थी।

बिहार चुनाव में हार मान चुका है राजग : पवन खेड़ा

» बोले कांग्रेस नेता- मंत्री कर रहे आवास खाली करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने हार स्वीकार कर ली है और इसके कई मंत्री अपने सरकारी आवास खाली करने की तैयारी कर रहे हैं।

खेड़ा ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि हार की आशंका को देखते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन के इशारे पर अधिकारी महत्वपूर्ण फाइलों को इधर-उधर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले चरण के मतदान के बाद मतदाताओं के उत्साह और अंतिम चरण (11 नवंबर) में होने वाले मतदान को लेकर 'इंडिया' गठबंधन के पक्ष में दिख रहे रुझान के बाद राजग नेताओं ने हार मान ली है। खेड़ा ने आरोप लगाया, हमें जानकारी मिली है कि उपमुख्यमंत्री समेत राजग सरकार के कई मंत्री अपने सरकारी आवास खाली करने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। यह भी संभव है कि जल्द ही उन स्थानों पर, जहां ये फाइलें रखी गई हैं, आग लगने की खबरें सुनाई दें।

कांग्रेस में विशिष्ट लोकतांत्रिक भावना जिससे लोग खुलकर बोलते हैं

कांग्रेस ने पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी पर शशि थरूर की हालिया टिप्पणी से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया और कहा कि केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर अपनी बात खुद कहते हैं। कांग्रेस ने यह भी कहा कि थरूर ऐसी टिप्पणियां करते रहते हैं और कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) अपनी अनूठी लोकतांत्रिक भावना को दर्शाती है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा हमेशा की तरह, डॉ शशि थरूर अपनी बात खुद ही कह रहे हैं और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उनके हालिया बयान से पूरी तरह अलग है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सांसद और सीडब्ल्यूसी सदस्य के तौर पर उनका ऐसा करना कांग्रेस की विशिष्ट लोकतांत्रिक और उदारवादी भावना को दर्शाता है। शनिवार को आडवाणी के 98वें जन्मदिन पर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आधुनिक भारत की दिशा तय करने में पूर्व उप-प्रधानमंत्री की भूमिका की सराहना की और उनके साथ अपनी तस्वीर भी साझा की। इस पर, वकील संजय हेगड़े ने आडवाणी की आलोचना की, लेकिन थरूर ने जवाब दिया कि वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता की विरासत को सिर्फ़ रथ यात्रा से परिभाषित नहीं किया जा सकता।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।